भारत सरकार

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय

पशुपालन और डेयरी विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 262

दिनांक 19 नवंबर, 2019 के लिए प्रश्न

विषय: समेकित पशु विकास केंद्र

262. डॉ॰ जी॰ रणजीत रेड्डीः

क्या मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) समेकित पशु विकास केन्द्र के लक्ष्य एवं उद्देश्य क्या हैं;

(ख) क्या यह सच है कि मंत्रालय ने हैदराबाद, पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय में एक गोकुल ग्राम को एक समेकित पशु विकास केंद्र के रूप में स्थापित करने का निर्णय लिया है;

(ग) यदि हां, तो यह प्रस्ताव कब भेजा गया था और क्या यह सच है कि उक्त विश्वविद्यालय में गोकुल ग्राम अभी भी आरंभ नहीं हुआ है; और

(घ) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं और इसे कब तक शुरू किया जाएगा?

उत्तर

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री

(डॉ. संजीव कुमार बालियान)

(क) एकीकृत देशी गोपशु विकास केंद्र- "गोकुल ग्राम" राष्ट्रीय गोकुल मिशन के अंतर्गत देशी बोवाईन नस्लों का वैज्ञानिक और समग्र रूप में संरक्षण और विकास करने के उद्देश्य से स्थापित किए जा रहे हैं। गोकुल ग्राम की स्थापना का उद्देश्य इस प्रकार है:

i. देशी गोपशु पालन और संरक्षण को वैज्ञानिक रूप में बढ़ावा देना।
ii. देशी नस्लों के उच्च आनुवंशिक गुणवत्ता वाले सांडों का प्रसार।
iii. आधुनिक फार्म प्रबंधन पद्धतियों का बेहतर ढंग से उपयोग करना और सामूहिक संसाधन प्रबंधन को बढ़ावा देना।
iv. पशु अपशिष्ट का किफायती रूप में उपयोग करना अर्थात् गोबर, गोमूत्र।

(ख) से (घ) जी, हां। राज्य सरकार द्वारा पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय, हैदराबाद में गोकुल ग्राम की स्थापना के लिए प्रस्तुत किये गये प्रस्ताव को मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय द्वारा संस्वीकृति दे दी गई है। जैसा कि राज्य द्वारा सूचित किया गया है, परियोजना जून, 2020 में शुरू की जाएगी।

****